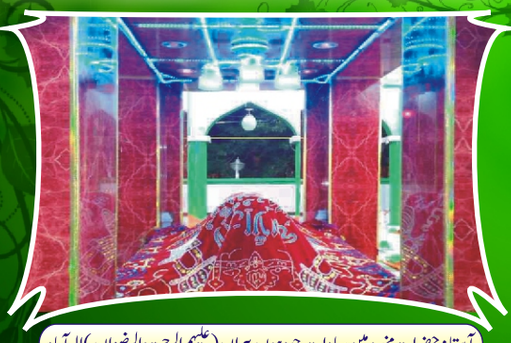

آستانہ حضرات مخدومین سادات چودہوں پیراں (علیہم الرحمۃ والرضوان) الٰہ آباد

www.syed14peer.com

٧٨٦/٩٢

نقش تحفۂ روحانی وحل المشکلات

مَعَ اسمِ اللهِ المَلِكِ السَّلمِ

صـ م ح م د صلی اللہ علیہ وسلم

صـ ح م د م صلی اللہ علیہ وسلم

صـ م د م ح صلی اللہ علیہ وسلم

صـ د م ح م صلی اللہ علیہ وسلم

اس نقش کو دیکھنے والے کی ہر مشکل حل ہوگی انشاء اللہ

अस्सलामुल्मुह़म्मदिय्यु ﷺ मिनल मीमिल अर्बईन बिदूनिन्नुक़्तति
सलामे मोह़म्मदी चहेल मीम ग़ैर मन्क़ूत़ (21)

मुरत्तिब

बमौक़ा ज़ुल्क़ादा 1438हि0

बफ़ैज़े रूह़ानी सय्यिदुना मोह़युद्दीन व सय्यिदुना मोईनुद्दीन व ह़ज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضی اللہ عنہم

मोह़म्मद अ़ज़ीज़ सुल्त़ान नाचीज़

मअ़स्मिल्लाहिल मालिकिस्सलामि अल्लाहुम्म ल कल ह़म्दुद्दाइमु ला इलाह इल्लल्लाहु स़ल्लि कामिलवँ व सल्लिम दाइमवँ व करिंम सर्मदन अ़ला मौलाई अक्रमिकल आ़लमि वल्ला आ़लमि हुक्मुहू हुक्मु क व अम्रुहू अम्रु क व कलामुहू कलामु क व इ़ल्मुहू इ़ल्मु क व अ़त़ाउहू अ़त़ाउ क व हु व कमालु क मुह़म्मदुर रसूलुल्लाहि व कर्रमल्लाहु वालिदहू कुल्लल वालिदि वउम्महू कुल्लल उम्मि वआलहू कुल्लल आलि वअ़ला वालिदिही व उम्मिही व आलिही वल मौला अ़लिय्यिवँ व वलदै अ़लिय्यिवँ व उम्मिहिमा व मुह़यिल इस्लामि व आलिही व वालिल इस्लामि व आलिही व अह़ म द व लिय्यिल्लाहि व ह़वारिय्यि वलीयिल्लाहि व आलिही वकुल्लि उमम‍ि रसूलिल्लाहि कुल्लल ह़ालि।

मुराद : अल्लाह के इस्म के सहारे कि वही मालिक व सलामी वाला है। ऐ हमारे अल्लाह सारी दाइमी ह़म्द अल्लाह ही के लिए है वाह़िद अल्लाह ही इलाह है कामिल दुरुद दाइमी सलाम और सर्मदी करम हमारे मौला अल्लाह के मकाँ और लामकाँ के मुकर्रम के लिए वारिद हो कि उस का हुक्म अल्लाह का हुक्म है और उस का अम्र अल्लाह का अम्र है उस का कलाम अल्लाह का कलाम है उस का इ़ल्म अल्लाह का इ़ल्म है और उस की अ़त़ा अल्लाह की अ़त़ा है और वह अल्लाह का कमाल मोह़म्मद ﷺ अल्लाह का रसूल है और अल्लाह मुकर्रम किए उस रसूल के वालिद को सारे वालिद से और माँ को सारी माओं से और आलो औलाद को सारी आलो औलाद से और (दुरूदो सलाम) उस रसूल के वालिद के लिए हो और माँ के लिए हो और आल के लिए हो, मौला अ़ली के लिए हो, मौला अ़ली के लाडलों के लिए हो और मौला अ़ली के लाडलों की वालिदह के लिए हो, इस्लाम के मुह़यी केलिए हो और आल केलिए हो, इस्लाम के मददगार केलिए हो और आल केलिए हो और अह़मद वलीयुल्लाह केलिए हो और वलीयुल्लाह के हम दमों के लिए हो और आल के लिए हो, अल्लाह के रसूल की सारी उमम के लिए हो हर दम ।

तौज़ीह़ी तर्जमा:- अल्लाह के इस्म के साथ जो मालिक है सलामती देने वाला है ऐ हमारे अल्लाह तमाम दाइमी तअ़रीफ़ तेरे ही लिए है अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं तू ख़ूब ख़ूब कामिल

दुरुद दाइमी सलाम और सर्मदी करम नाज़िल फ़रमा हमारे मौला अपने मकानो लामकाँ में सबसे ज्यादा क़रीम पर कि जिन का हुक्म तेरा हुक्म है जिन का अम्र तेरा अम्र है जिन का कलाम तेरा कलाम है जिन का इ़ल्म तेरा इ़ल्म है और जिन की अ़त़ा तेरी अ़त़ा है और वह तेरे सरापा कमाल मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं कि जिनके वालिद (सय्यिदुना अ़ब्दुल्लाह रद़ियल्लाहु अ़न्हु) को अल्लाह ने तमाम वालिद में सब से ज़्यादा इ़ज़्ज़त बख़्शी और जिनकी माँ (बी बी आमिना रद़ियल्लाहु अ़न्हा) को तमाम माओं में सबसे ज़्यादा इ़ज़्ज़त बख़्शी और जिनकी आलो औलाद को तमाम आलो औलाद में सबसे ज़्यादा इ़ज़्ज़त बख़्शी और (दुरूदोसलाम नाज़िल हो)आप ﷺ के वालिद पर और आप ﷺ की वालिदह पर और आल पर, ह़ज़रत मौला अ़ली रद़ियल्लाहु अ़न्हु पर और मौला अ़ली के दोनों लाडलों इमामे ह़सन व इमामे हुसैन अ़लैहिमस्सलाम पर और ह़स्नैन करीमैन की वालिदह ख़ातूने जन्नत सय्यिदह बीबी फ़ात़ेमा ज़हरा रद़ियल्लाहु अ़न्हा पर और दीन के ज़िन्दा करने वाले मुह़युद्दीन सय्यिदुना शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी रद़ियल्लाहुअ़न्हु पर आप की आल पर और दीन के मददगार ख़्वाजा मोईनुद्दीन ह़सन सन्जरी पर आप की आल पर और ह़ज़रत मख़्दूम सय्यिद अह़मद वलीयुल्लाह पर आप के अस़्ह़ाबे रूह़ानी पर और आल पर, और अल्लाह के रसूल के सारे उम्मतियों पर हर दम ।

फ़ज़ीलते सलामे मोह़म्मदी ﷺ चहेल मीम ग़ैर मन्क़ूत़(21)

यह "सलामे मोह़म्मदी ﷺ चहेल मीम" जो कि 40 मीम के साथ बेग़ैर नुक़्ते वाले हुरूफ़ पर मुश्तमिल है इस का तर्जमा भी ग़ैर मन्क़ूत़ है जिस को समझने के लिए तौज़ीह़ी तर्जमा शामिल है जो शख़्स़ इस दुरूद को रोज़ाना 100/11/5 बार पढ़ने का अपना मअ़मूल बनाएगा उसे अल्लाहो रसूल की मोह़ब्बत और खुश्नूदी ह़ास़िल होगी वह हर आफ़तो बला से मह़फ़ूज़ रहेगा उसे हर ख़ौफ़ व ख़त्रा से अम्नो अमान ह़ास़िल होगा क़ब्र की तारीकियों और हर अ़ज़ाब से मह़फ़ूज़ रहेगा अल्लाह उसे हिदायते दाइमी से नवाज़ेगा और उस की हर दुआ़ क़बूल होगी नीज़ उसे अहले बैत व स़ह़ाबए केराम का दीदार होगा और ईमान पर ख़ातिमा होगा । इन्शाअल्लाहु तआ़ला।

नोट:- आस्तान-ए-ह़ज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضی اللہ عنہم से मुतअ़ल्लिक़ जुम्ला मत़बूआ़त मस्लन "दुरूदे रूह़ानी व दोआ़-ए-क़ल्बी, दुरूदे मोह़म्मदी, सलामे मोह़म्मदी मअ़ असरारे "मीम ह़ा मीम दाल" और दुरूदे चहल मीम"वग़ैरह **www.syed14peer.com** पर मुलाह़ज़ा कर सकते हैं।

Mo. 9695435877